

## ‘नो फ्लाई’ नयिमों का प्रारूप तैयार

**संदर्भ**  
केंद्र ने कुछ दशा नरिदेश सुझाए हैं जिनके तहत घरेलू एयरलाइनों को किसी यात्री के अनयित्तरति व्यवहार के लिये उसकी हवाई यात्रा पर तीन माह अथवा जीवनकाल तक प्रतबिंध लगाने की अनुमति प्रदान की गई है।

### प्रमुख बिंदु

- नागरिक विमानन आवश्यकताओं के प्रारूप ‘अनयित्तरति और नुकसानदेह यात्रियों पर नयित्तरण’ (Handling of unruly or disruptive passengers) के अनुसार, एयरलाइन अनयित्तरति यात्रियों पर नमिनलखिति त्रसितरीय प्रतबिंध लगा सकते हैं-

- नुकसानदेह व्यवहार(जैसे-शारीरिक हाव भाव,) के लिये तीन माह का प्रतबिंध।
- शारीरिक रूप से अपमानजनक व्यवहार(जैसे धक्का देना, पैर से मारना और यौन उत्पीड़न करना) के लिये छह माह का प्रतबिंध।
- जीवन को नुकसान(जैसे-विमान की व्यवस्था को कषति पहुँचाना) पहुँचाने वाले व्यवहार के लिये 2 वर्ष अथवा इससे अधिक वर्षों का प्रतबिंध।

- एक अपराध के पश्चात प्रत्येक दूसरे अपराध के लिये अनयित्तरति यात्री पर पहले प्रतबिंध की अवधि से दोगुनी अवधि का प्रतबिंध लगाया जा सकता है।
- इसके अतरिकित, गृह मंत्रालय राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों के लिये पहचाने गए व्यक्तियों को भी प्रस्तावित ‘नो फ्लाई सूची’ में शामिल कर सकता है। इन नयिमों के वषिय में एक माह तक जनता की टपिपणयिों का स्वागत कयिा जाएगा जिसके पश्चात अंतमि नयिमकों को 30 जून को जारी कयिा जाएगा।
- नागरिक विमानन राज्यमंत्ररी जयंत सनिहा के अनुसार, भारत ऐसा पहला देश होगा जसिने विमानन सुरक्षा से संबंधित राष्ट्रीय ‘नो फ्लाई’ सूची के प्रारूप को तैयार कयिा है कयोंक विरतमान में अन्य देशों में सुरक्षा संबंधी मुद्दों के लिये कोई ‘नो फ्लाई’ सूची नहीं है।
- एयरलाइन ऐसे यात्री का वविरण रखेंगे जसिे उसके अनयित्तरति व्यवहार अथवा यात्रियों को नुकसान पहुँचाने के आधार पर राष्ट्रीय ‘नो फ्लाई’ सूची में शामिल कयिा जाएगा। गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों से संबंधित व्यक्तियों को भी राष्ट्रीय नो फ्लाई सूची में शामिल कयिा जा सकता है।
- नो फ्लाई सूची में शामिल व्यक्तों के वविरण को एयरलाइन द्वारा व्यक्तों को प्रेषित कयिा जाएगा जसिमें राष्ट्रीय नो फ्लाई सूची में उनके नाम को शामिल करने के कारणों के वषिय में भी बताया जाएगा।
- एयरलाइन यात्री के अनयित्तरति व्यवहार के लिये उस पर तुरंत प्रतबिंध लगा सकते हैं। सभी एयरलाइनों को एक आतरिक समति बिनाने की आवश्यकता होगी जो एक सेवानवित्त न्यायाधीश और सत्र न्यायाधीश, वभिनिन एयरलाइनों के प्रतनिधि और यात्री संघ अथवा उपभोक्ता फोरम के सदस्यों से मलिकर बनेगी।
- समति के लिये किसी भी शकियत के मलिन के पश्चात एयरलाइन द्वारा व्यक्तों पर लगाए गए प्रतबिंध की जाँच कर 10 दनिों के भीतर ही उस पर नरिणय लेना अनविरय होगा।
- यात्री प्रतबिंध लगने पर सरकार के पास अपील कर सकता है। सरकार एक अपीलीय समति का गठन करेगी जसिमें उच्च न्यायालय के सेवानवित्त न्यायाधीश, यात्री संघ अथवा उपभोक्ता फोरम के प्रतनिधि और एक उच्चसतरीय एयरलाइन कर्मचारी शामिल होंगे।
- यात्री को सभी एयरलाइनों में प्रतबिंध का सामना नहीं करना पड़ेगा। हालाँकि केंद्र ने अन्य एयरलाइनों को भी शक्ति देने का प्रस्ताव रखा है ताकवि भी एक एयरलाइन द्वारा यात्री पर लगाए गए प्रतबिंध के आधार पर उस पर प्रतबिंध लगा सकें।
- एयरलाइन किसी भी यात्री पर उसके अनयित्तरति व्यवहार के लिये प्रतबिंध लगा सकती हैं। हालाँकि अपील की प्रक्रिया प्रतबिंध लगने के 10 दनि के भीतर ही पूरी हो जाएगी। नागरिक विमानन सचवि के अनुसार, अन्य एयरलाइन भी यात्रियों पर प्रतबिंध लगाने के लिये ‘नो फ्लाई सूची’ का उपयोग कर सकते हैं।

वे यात्री जो सुरक्षा एजेंसियों के द्वारा पहचाने जाने वाले खतरों के पश्चात राष्ट्रीय ‘नो फ्लाई सूची’ का हसिसा बनेंगे वे नागरिक विमानन नयिमकों के अतरगत प्रतबिंध संबंधी नरिणय के लिये अपील करने योग्य नहीं होंगे।

हाल ही में घटति हुई घटनाएँ

- राष्ट्रीय नो फ्लाई सूची की आवश्यकता का वचारि तब सामने आया जब सरकार ने वर्तमान नयिमकों में कई त्रुटियाँ पाई जिनके माध्यम से शवि सेना सांसद रविन्द्र गायकवाड़ पर एयर इंडिया के स्टाफ के साथ उनके अनुचित व्यवहार के कारण सभी घरेलू एयरलाइनों ने प्रतबिंध लगा दिया था। हालाँकि ये एयरलाइनें सरकार से आदेश मलिन के पश्चात दो सप्ताह के इस प्रतबिंध को हटा चुकी है।

